

MUSKMELON- PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Musk Melon seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Musk Melon seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Musk Melon seeds provide excellent germination & better vigour with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Musk Melon Hybrid	Bond, Mukunda, Indus-7786	Iden, Liza	Badshah								
Duration	75-85 DAS	75-85 DAS	70-80 DAS								
Kharif	Yes(85-90 days)	Yes(85-90 days)	Yes(80-90 days)								
Rabi	Yes	Yes	Yes								
Spring	Yes	Yes	Yes								
Source of Irrigation	Borewell/Canal	Borewell/Canal	Borewell/Canal								

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability of the area/ Agro-climatic zone	Musk melon requires dry hot climate with warmer days and cooler nights. Muskmelons cannot withstand frost and low temp
2	Land. Soil	Well drained sandy loams and alluvial soils. Soil Ph 5.5 to 6.5 is ideal.
3	Season. Sowing/ planting time	June-oct, Feb-April in South India. July-Aug, Feb- March in Northern and Western India, June-July in Eastern India.
4	Seed rate. Sowing/ planting method.	200-300g/ acre depending on the hybrid, canal method.
5	Preparation of Main field and planting	Apply 10 tones of decomposed FYM followed by harrowing to mix in the soil. * Form sowing canals * Apply basal dose of fertilizers in sowing canals and cover the fertilizer * Irrigate the field two day prior to sowing. * Dibble two seed per hill, immediately give light irrigation for quick and better Germination
6	Spacing	Row to Row(canal) 180-200cm; Plant to plant: 45cm
7	Seed treatment before sowing	Seed can be treated with imidacloprid 2 ml/kg
8	Manures and Fertilizers	* Basal dose before sowing : 30:50:50 Kg NPK * First top dressing 20-25 days after sowing:50kg N * Second top dressing 20-25 days after first top : 20 kg N
9	Irrigation schedule	Irrigate field depending on soil type. Light and frequent irrigation once in 3-4 days interval. Ensure sufficient moisture at root zone especially during flowering fruit stage
10	Weeding/ inter cultivation	Two hand weeding is required. Keep plots free from weeds. Earthing up at 30 days after sowing.
11	Micronutrient/growth regulator sprays	Spray Calcium Nitrate(1% solution) at the time of flowering to increase fruit set.
12	Pest and Disease control	Powdery Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per liter) or Chlorothalonil 75% WP 1.0 ml/Liter Downy mildew : Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per liter) Leaf miner: Spinosad 45% EC (0.4 ml/litre), Abamectin 1.8% EC (0.5 to 1 ml/litre), Red pumpkin beetle : Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/litre) Thrips/ Aphids: Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre), Imidacloprid 17.8% S (1.5-2ml/ Liter) Fusarium Wilt : Drench 0.2% Carbendazim For more information to control & disease in field, please consult your local agriculture officers.
13	Harvest	Fruits ready for harvest 65-70 DAS. Full slip (easy detachment of fruit stalk) is the indication of complete maturity. Harvest at Half-slip stage for better transport and storage.
14	Expected yield	10-15 tons/acre fruits from a well managed crop under ideal conditions.
17	Storage	2-5 Degree C and RH 90-95% , In optimal condition can store up to 2 weeks
18	Don't Do	Full slip stage harvest, Avoid stacking too high to prevent crushing during transportation or storage
19	Do's	Half -slip stage harvest better for long distance transport and longer storage, Ensure pre-cooling before storage, Regularly monitor rots and soft rots and Use ventilated crates for packing material

Note The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.

Precautions Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.

बसुंधे की-बेटी के तरीके

बसुंधे होना आपने किटल परियार के बसुंधे की बेहतर किताब के बीजों में से एक को चुना है। किटल कंपनी को उच्च दूरी के बसुंधे के बीजों के उत्पादन का सफल अनुभव है। वे बीज व्यापक बीज के फलनकाल के लिए किए गए हैं, ताकि अलग-अलग क्षेत्रों की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसल विकसित की जा सके। किटल कंपनी बीज निर्माण में आनुवंशिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किताबों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सके। किटल के बसुंधे के बीजों में उच्च अंडुकरण अर्थात्, अत्युच्च पोषा वृद्धि और रोग और पर्यावरणीय अवयवों के प्रति अच्छी सहनशीलता होती है। बेहतर परिणाम प्राप्त करने हेतु बेटी के अनुसंधित तरीकों को अपनाएं। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि कृपया वेब में पहले कृपया इन अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड बसुंधा	बीज, हाइब्रिड, एडुए, एम-7786	हाइब्रिड, आइएन, फिना	सागरा, हाइब्रिड, कारला										
अर्थात्	75-85 DAS	75-85 DAS	70-80 DAS										
बसुंधे	हाँ (85-90 दिन)	हाँ (85-90 दिन)	हाँ (80-90 दिन)										
रबी	हाँ	हाँ	हाँ										
बसुंधे	हाँ	हाँ	हाँ										
सिंचाई का स्रोत	बोरिंग/महर	बोरिंग/महर	बोरिंग/महर										

कृपया ध्यान रखें कि बसुंधा की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिष्कार होने का समय जलान-जलान हो सकता है

क्रम सं.	विवरण / संभावित/रिस्क	प्रतिकार/समाधान
1	क्षेत्र की उपज/ताप / कृषि-जलवायु क्षेत्र	खरबूजा ऐसे क्षेत्र में उगाता है जहाँ दिन गर्म और रात ठंडी हो, और जलवायु शुष्क हो। खरबूजे को पाने और ठंडी परिस्थितियों में उगाना सुनिश्चित है।
2	जुमि मिट्टी	अच्छी जल निकासी वाली रेत-तृण दोस्त और जलदृष्ट मिट्टी। आदर्श मिट्टी का pH 5.5-6.5 होना चाहिए।
3	मौसम। बुवाई/रोपाई का समय	दक्षिण भारत में जून-अक्टूबर, फरवरी-अप्रैल उत्तरी और पश्चिमी भारत में जुलाई-अगस्त, फरवरी-मार्च; पूर्वी भारत में जून-जुलाई।
4	बीज दरा। बुवाई/रोपाई का तरीका।	हाइब्रिड के उपचार 200-300 ग्राम प्रति एकर, नाली विधि से।
5	मूल्य क्षेत्र की निकासी और रोपाई	मोचर की 10 टन प्रति हेक्टर खाद डालें और जुताई करें ताकि यह मिट्टी में मिल जाए। * बीज बोने के लिए नाली बनाएं। * बुवाई वाली नालियों में आधा खुराक के रूप में उर्वरक डालें और हक दें। * बीज बोने से दो दिन पहले क्षेत्र में पानी दें। * हर मेट पर दो बीज बोएं और तुरंत बोझ पानी से सिंचाई करें, जिससे बीज तेजी से अंकुरित हों।
6	पौधों के बीच दूरी	पंक्ति से पंक्ति (नाली) 180-200 सेमी; पौधा से पौधा: 45 सेमी
7	बुवाई से पहले बीज उपचार	ट्रिहाइफ्लोरिड 2 मि.ली./किगो से बीज का उपचार किया जा सकता है।
8	वैशिक और रासायनिक उर्वरक	* बीज बोने से पहले आधा खुराक: 30:50:50 किगो NPK * बुवाई के 20-25 दिन बाद पहली टाप ड्रिपिंग: N 50 किगो * पहली टाप ड्रिपिंग के 20-25 दिन बाद दूसरी टाप ड्रिपिंग: N 20 किगो
9	सिंचाई कार्यक्रम	मिट्टी की स्थिति के हिसाब से सिंचाई करें। 3-4 दिन के अंतराल पर हल्की और नियमित सिंचाई करें। कुल और फल बनने के दौरान जड़ों के पास पानी नमी सुनिश्चित करें।
10	निराई/क्षेत्र की बीज-बीज में जुताई	दो बार हाथ से खरपतवार निकालना जरूरी है। क्षेत्र में खरपतवार न होने दें। बोने के 30 दिन बाद मिट्टी अर्कत पौधों को ऊपर उठाएं।
11	पौधक ताल और विकसन नियंत्रण का विवरण	फूलने के दौरान 1% कैल्शियम नाइट्रेट का विवरण करें, ताकि फलों की मात्रा में वृद्धि हो सके।
12	बीज-नास और रोग नियंत्रण	पाउडरी मिश्रण: ट्रेवुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोरिड 25% WG (0.5-1 ग्राम/लीटर) या फ्लोरिफेनॉल 75% WP (1.0 मि.ली./लीटर) पाउडरी मिश्रण: ट्रेवुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोरिड 25% WG (0.5 से 1 ग्राम प्रति लीटर) पानी खाने की: फ्लोरिफेनॉल 45% EC (0.4 मि.ली./ली.), एपामेफिन 1.8% EC (0.5-1 मि.ली./ली.) रेड पंफिन बीज: इलेक्ट्रोडिन 5.56% w/w SC (0.5 मि.ली./लीटर) डिग/एफिडस: फ्लोरिफेनॉल 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर), ट्रिहाइफ्लोरिड 17.8% S (1.5-2 मि.ली./लीटर) स्प्रूटिंग रोग: 0.2% कार्बेन्डाजिम का पोल मिट्टी में डालें। क्षेत्र में रोग और बीज नियंत्रण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से सलाह लें।
13	फलन काल	फल 65-70 दिन में बसुंधे के लिए तैयार हो जाते हैं। जब फल का ड्रडल आसानी से अलग हो जाए, इसे पूरी तरह पका माना जाता है। आधा-निष्प स्थिति में फलन काल परियार और संरक्षण के लिए उपयुक्त होता है।
14	अनुमानित उपज	उपयुक्त प्रबंधन और आदर्श स्थितियों में फलन से 10-15 टन/एकर फल उत्पादन संभव है।
17	भंडारण	2-5 डिग्री सेल्सियस तापमान और 90-95% RH पर, उचित परिस्थितियों में फलन को 2 सप्ताह तक रखा जा सकता है।
18	क्या न करें	फलन को फुल-निष्प स्टेज में ही काटें और परिवहन या भंडारण के समय डेबा ड्रेन न करें और फल कुचने न करें।
19	क्या करें	हाफ-निष्प स्टेज में फल काटना लंबी दूरी के परिवहन और ज्यादा समय तक भंडारण के लिए बेहतर होता है, भंडारण से पहले ड्री-ड्रिपिंग करें, सड़ने और हल्के मादन पर तत्पश्चात ध्यान दें और पैकिंग के लिए बैरिस्टेट ब्रेडम का उपयोग करें।
नोट	यह जानकारी सिर्फ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र में जूरी अनुसंधानों के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।	
सावधानियाँ	फलन वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तरीकों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और बीजनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और बीजनाशक की खरीद के लिए अपने पास रखें।	



સકર ટેટી - ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદના તમે કિરલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ કસ્તૂરી સકર ટેટીના બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. કિરલને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા કસ્તૂરી સકર ટેટીના બીજનું ઉત્પાદન કરવાનો સારો અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇવિડ પાક વિકસાવવાનો છે. પ્રેક્ષકોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે કિરલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકી અપનાવે છે. કિરલના કસ્તૂરી સકર ટેટીના બીજ ઉત્તમ અંકરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે. સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે. ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃષા કરીને શ્રેષ્ઠ પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને શ્રેષ્ઠપણા નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

કસ્તૂરી સકર ટેટી હાઇવિડ	બાબ, હાઇવિડ, યુકેદ, ઇસ-7786	હાઇવિડ, આઇડેન, લિજા	બાદશાહ, હાઇવિડ, બાદશાહ								
સમયગાળો	75-85 DAS	75-85 DAS	70-80 DAS								
ખરીક	હા (85-90 દિવસ)	હા (85-90 દિવસ)	હા (80-90 દિવસ)								
શબ્દો વસંત	હા	હા	હા								
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	બોરવેલ/કેનાલ	બોરવેલ/કેનાલ	બોરવેલ/કેનાલ								

કૃષા કરીને નીચ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

ક્રમ નં.	વિગત/કામગીરી/પિસ્ટિસ	કામગીરીની વિગતો, પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર/કૃષિ-આબોહવા ક્ષેત્રની યોગ્યતા	કસ્તૂરી સકર ટેટીને ગરમ દિવસો અને 6ઠી રાત સાથે સુકી ગરમ આબોહવાની જરૂર પડે છે. સકર ટેટી હિમ અને નીચા તાપમાનનો સમનો કરી શકતા નથી.
2	જમીન માટી	સારા પાણીના નિકાલવાળી રેતાળ લોમ અને કાંપવાળી જમીન. માટીનું Ph 5.5 થી 6.5 આદર્શ છે.
3	જનુ વાવણી/વાવેતરનો સમય	દક્ષિણ ભારતમાં જૂન-ઓક્ટોબર, કેરુઆરી-એપ્રિલ. ઉત્તર અને પશ્ચિમ ભારતમાં ડિસેમ્બર થી ફેબ્રુઆરી, કેરુઆરી-માર્ચ, પૂર્વ ભારતમાં જૂન-જુલાઈ.
4	બીજ દર. વાવણી/વાવેતર પદ્ધતિ.	હાઇવિડ, નહેર પદ્ધતિના આધારે 200-300 ગ્રામ/એકર.
5	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	10 ટન વિદ્યુટ છાંચિયું ખાતર નાખો અને ત્યારબાદ જમીનમાં ભેળવીને કાપણી કરો. * વાવણી નહેરે બનાવો * વાવણી નહેરોમાં ખાતરનો મૂળ માત્રા આપો અને ખાતરને ઢાંકી દો. * વાવણીના બે દિવસ પહેલા ખેતરમાં પાણી આપો. * ઝડપી અને સારા અંકરણ માટે દરેક ટેકરી પર બે બીજ ખોદીને તરત જ હળવું પાણી આપો.
6	અંતર	લાઈન થી લાઈન (ન્યેર) 180-200 સેમી; છોડ થી છોડ: 45 સેમી
7	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	બીજને ઇમિડાક્લોપિડ 2 મિલી/હિલોગ્રામથી માવજત કરી શકાય છે.
8	ખાતર અને ખાતરી	* વાવણી પહેલાં મૂળભૂત માત્રા: 30:50:50 ડિગ્રા NPK * વાવણી પછી 20-25 દિવસ પછી પહેલું ટોપ ડ્રેસિંગ: 50 કિલો N * પ્રથમ ટોપ પછી 20-25 દિવસ પછી બીજ ટોપ ડ્રેસિંગ: 20 કિલો N
9	સિંચાઈ સમયપત્રક	જમીનના પૂકર પર આધાર રાખીને ખેતરમાં સિંચાઈ કરો. 3-4 દિવસના અંતરાલમાં એકવાર હળવું અને વારંવાર સિંચાઈ કરવી. ખાસ કરીને ડૂલોના ફળાના તબક્કા દરમિયાન મૂળ વિસ્તારમાં પૂરેનો ભેજ સુનિશ્ચિત કરો.
10	નીંદણ/આંતરખેતી	બે હાથે નીંદણ કાપવું જરૂરી છે. ખેતરને નીંદણથી મુક્ત રાખો. વાવણી પછી 30 દિવસે માટીનું ખોદકામ.
11	સૂકા પોષકતત્ત્વો/વૃદ્ધિ નિયંત્રકાર સ્પ્રે	ફળનો સમૂહ વધારવા માટે ડૂલો આવવાના સમયે કેલ્શિયમ નાઇટ્રેટ (1% દ્રાવણ) નો છંટકાવ કરો.
12	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	પાવડરી ફૂગ: ટ્રેલુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીમોલિન 25% 5બલ્યુજી (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) અથવા ફ્લોરેથાલોલિન 75% 5બલ્યુજી 1.0 મિલી/લિટર તરછોડ: ટ્રેલુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીમોલિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) પાન ખાણિયો: સ્પિનોસેડ 45% EC (0.4 મિલી/લિટર), એમેપ્રોથીન 1.8% EC (0.5 થી 1 મિલી/લિટર), લાલ કોળાની ભમરી: ડેલ્ટામેથિન 5.8% w/w SC સાથે (0.5 મિલી/લિટર) થ્રિપ્સ/ મોલો મચ્છર: ફ્લોનીક્રામિડ 30% WG (0.5 ગ્રામ/લિટર), ઇમિડાક્લોપિડ 17.8% S (1.5-2 મિલી/લિટર) જ્યુવેનિયમ નિલક: 0.2% ક્લોરોઝીમ ડ્રેમ્પ ક્રો ખેતરમાં રોગ નિયંત્રણ અને નિયંત્રણ માટે વધુ માહિતી માટે, કૃષા કરીને તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીઓનો સંપર્ક કરો.
13	લણણી	ફળો 65-70 દિવસમાં લણણી માટે તૈયાર થાય છે. સંપૂર્ણ સરકી જવું (ફળના ડાળખાનું સરલતાથી અલગ થવું) એ સંપૂર્ણ પરિપક્વતાનો સંકેત છે. સારી પરિવહન અને સંગ્રહ માટે અડધા કાપાલીના તબક્કામાં કાપણી કરો.
14	અપેક્ષિત ઉપજ	આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં સારી રીતે સંચાલિત પાકમાંથી 10-15 ટન/એકર ફળો.
17	સંગ્રહ	2-5 ડિગ્રી સેલ્સિયસ અને આરએચ 90-95%, શ્રેષ્ઠ શ્ચિતિમાં 2 અઠવાડિયા સુધી સંગ્રહિત કરી શકાય છે.
18	ના કરો	ફૂલ સ્તિપ સ્ટેજ લણણી, પરિવહન અથવા સંગ્રહ દરમિયાન ક્ષતિગ્રસ્ત અટકાવવા માટે ખૂબ ઊંચા સ્ટેકીંગ ટાળો.
19	થું કરવું	લાંબા અંતરના પરિવહન અને લાંબા સમય સુધી સંગ્રહ માટે હાઇ-સ્તિપ સ્ટેજ લણણી વધુ સારી છે. સંગ્રહ પહેલાં પી-ફ્લોરિડાઈન ખાતરી કરો, સાડો અને નરમ સડોનું નિયંત્રિત નિરીક્ષણ કરો અને સામગ્રી પેકિંગ માટે વેલ્ડિવેટેડ કેરફનો ઉપયોગ કરો.
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃષા કરીને તમારા સ્થાનિક કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવધતાની પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબલોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરે કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરને અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જંતુનાશકોની ખરીદીના શિલ્પ સાથે રાખો.	

खरबूज-पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनेदना! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील खरबूजच्या सर्वोत्तम विद्याप्यांपैकी एक विद्यापे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे खरबूजचे विद्यापे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे विद्यापे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे विद्यापे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच विद्याप्यांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या खरबूजच्या विद्याप्यांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात. उष्ण उन्हाट मिळविण्यासाठी कृष्या सर्वोत्तम शेती पद्धतीचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

खरबूज हायबीड	बॉन्ड, हायब्रिड . मुकुट, हॅन्स-७७८६	हायब्रिड . ज्युव्हेन, सिन्ना	बायसाह, हायब्रिड . नायसाह										
कालावधी	75-85 दिवसांनी	75-85 दिवसांनी	70-80 दिवसांनी										
खरीप	होय (85-90 दिवस)	होय (85-90 दिवस)	होय (80-90 दिवस)										
रज्जी	होय	होय	होय										
वसंत ऋतू	होय	होय	होय										
सिंचनाचा स्रोत	बोअरवेल/कालवा	बोअरवेल/कालवा	बोअरवेल/कालवा										

कृष्या नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिष्कारता वेगवेगळी असू शकते.

व. क्र.	उपशील/कायम/प्रत्यक्ष कृती	कारणे/उपशील. प्रति एकर उत्पादन
1	शेताची योग्यता/कृषी-हवामान क्षेत्र	खरबूजाला दिवस उष्ण आणि रात्री थंड असलेले कोरडे, उष्ण हवामान आवश्यक असते. फळाक्याची थंडी आणि कमी तापमान खरबूज सहन होत नाही.
2	जमीन. माती	वाळता निसा होणारी जालुकव्य विकण्याली आणि पाडकू माती. आर्सा मातीचा प्राम (pH) 5.5 ते 6.5 आसा.
3	हंगाम. परेणी/लागवडीची वेळ	दक्षिण भारतात जून-ऑक्टोबर, फेब्रुवारी-मार्च. उत्तर आणि पश्चिम भारतात जून-ऑगस्ट, फेब्रुवारी-मार्च. पूर्व भारतात जून-जुलै.
4	विद्याप्याचा दर परेणी/लागवडीची पद्धत	हायब्रिड, पाट पद्धतीनुसार प्रति एकर 200-300 ग्रॅम.
5	मुळ्य शेताची तयारी आणि लागवड	10 टन कुजलेले शेणखत टाका आणि नंतर जमिनीत व्यवस्थित मिसळा. परेणीसाठी पाट तयार करा * परेणीच्या कालव्यांमध्ये खतांचा मूलभूत डोस द्या आणि सगळीकडे खत नीट पसरवते. * परेणीपूर्वी दोन दिवस आधी शेताला पाणी द्या. * प्रत्येक सरीवर दोन विद्या टोचा, लवकर आणि चांगले अंकुर फुटायला लगेच थोडे पाणी द्या
6	अंतर	प्रत्येक सरीदरम्यान (पाट) 180-200 सेंमी, प्रत्येक रोपामध्ये: 45 सेंमी
7	परेणीपूर्वी विद्याप्यावर प्रक्रिया	विद्याप्यावर इमिडाक्लोप्रिड 2 मिली/किलो या प्रमाणात प्रक्रिया करता येते.
8	संश्रिय पदार्थ आणि खते	* परेणीपूर्वी मूलभूत डोस: 30:50:50 किलो एनपीके * परेणीनंतर 20-25 दिवसांनी पहिले टोप ड्रेसिंग: 50 किलो नत्र * पहिल्या टोपनंतर 20-25 दिवसांनी दुसरे टोप ड्रेसिंग: 20 किलो नत्र
9	परेणीपूर्वी विद्यापे प्रक्रिया	मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. 3-4 दिवसांच्या अंतराने एकदा थोडे थोडे आणि वारंवार पाणी द्यावे. फळधारणेच्या अवस्थेत, मुळांच्या भागात पुरेसा ओलावा असल्याची खात्री करा.
10	खुरपणी/ अंतरमशागत	दोन हातांनी खुरपणी करणे आवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठेवा. परेणीनंतर ३० दिवसांनी माती भरून घ्या.
11	मृत्तम पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	फळधारणा वाढविण्यासाठी फुलांच्या वेळी कॅल्शियम नायट्रेट (1% द्रावण) फवारणी करा.
12	कीटक आणि रोग नियंत्रण	सुरी बुरशी: ट्रेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लोक्झिस्टोबिन 25% मा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) किंवा क्लोरोथालोनिल 75% पाण्यातील प्रमाण 1.0 मिली/लिटर केवडा बुरशी: ट्रेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लोक्झिस्टोबिन 25% WG (0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) पाने खाणारी आढी: फ्लिनोसॉड 45% EC (0.4 मिली/लिटर), अबामेक्झिड 1.8% EC (0.5 ते 1 मिली/लिटर), तांबडा मुंगेर : इन्टामेझिन 5.56 % मा/आ SC (0.5 मिली/लिटर) फुलांकिडे/मावा: फ्लोनिक्झिड 50 % WG (0.5 ग्रॅम/लिटर), इमिडाक्लोप्रिड 17.8% S (1.5-2 मिली/लिटर) फ्युसेरियम मर रोग: 0.2% कार्बेन्डाझिम फवारण शेतातील निव्वणसाठी आणि रोगाच्या अधिक माहितीसाठी, कृष्या तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या.
13	कापणी	65-70 दिवसात फळे कापणीसाठी तयार. पूर्ण गळती (फळांचे देठ महज वेगळे होणे) हे पूर्ण परिपक्वतेचे लक्षण आहे. चांगल्या वाहतूक आणि साठवणुकीसाठी अर्धे गळत आलेल्या अवस्थेत काढणी करा.
14	अपेक्षित उत्पाद	आदर्श परिस्थितीत चांगल्या प्रकारे व्यवस्थापित केलेल्या पिकातून 10-15 टन/एकर फळे.
17	साठवणूक	2-5 अंश सेल्सियस आणि RH 90-95%, चांगल्या स्थितीत 2 आठवड्यांपर्यंत साठवता येते
18	करू नका	पूर्ण गळण्याच्या अवस्थेमध्ये कापणी, वाहतूक किंवा साठवणुकीदरम्यान गळण टाळण्यासाठी एकावर एक बूच फळे रचणे टाळा
19	करा	लांब पल्ल्याच्या वाहतूकीसाठी आणि जास्त काळ साठवणुकीसाठी अर्ध्या गळलेल्या टप्प्यातील कापणी चांगली असते, साठवणुकीपूर्वी पूर्व-थंडीकरण सुनिश्चित करा. कुज आणि मऊकुजचे नियंत्रितपणे निरीक्षण करा आणि साहित्य पॅकिंगसाठी हवेशीर क्रेट वापरा.

नोंद बरीच माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेगाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसीसाठी कृष्या तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.
वेप्याची काळजी पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पादनावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशक वापरली जात आहेत याची खात्री करा. विद्यापे, खते आणि कीटकनाशक खरेदी करताना बिल वाळ्या.



ಕಬ್ಬಿಣ ಬೇಸಾಯದ ಕ್ರಮಗಳು

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನಿಮ್ಮ ಕ್ರಿಸ್ಪಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಕಬ್ಬಿಣ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಕಬ್ಬಿಣ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಪಲ್ ಗಣನೀಯ ಅನುಭವವಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ಪ್ರಾಚೀನವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಪಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಪಲ್ ಕಬ್ಬಿಣ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ನೀಡುತ್ತವೆ, ಬೇಸಿಗೆ ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯವನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಕಬ್ಬಿಣ	ಬಾಂಡ್, ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಮುಸುಂದ, ಇಂಡ್ - 22.8.8	ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಐಡ್, ಲೀಡ	ಬಾಂಡ್, ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಬಾಂಡ್								
ಆವಧಿ	75-85 ದಿನಗಳು	75-85 ದಿನಗಳು	70-80 ದಿನಗಳು								
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು (85-90 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ)	ಹೌದು (85-90 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ)	ಹೌದು (80-90 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ)								
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು								
ಪಸಂತ್ ಸೀಸಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು								
	ಬೋಲ್‌ವರ್ಡ್/ಕಾಲುವೆ	ಬೋಲ್‌ವರ್ಡ್/ಕಾಲುವೆ	ಬೋಲ್‌ವರ್ಡ್/ಕಾಲುವೆ								

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಪದ್ಧತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪೂಜೆ ವಿಧಾನಗಳಿಗಾಗಿ

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು / ಪದ್ಧತಿ	ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಪಟ್ಟಿರುವುದು
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತ/ ಕೃಷಿ-ಪದ್ಧತಿಗಳ ವಲಯ	ಕಬ್ಬಿಣ ಬೆಳೆಗಿನ ಹಗಲು ಮತ್ತು ತಂಪಾದ ರಾತ್ರಿಗಳಿಗಾಗಿ ಶುಷ್ಕ ಬಿಸಿ ಪದ್ಧತಿಯ ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಕಬ್ಬಿಣ ಓದು ಮತ್ತು ಕಡಿಮೆ ತಾಪಮಾನವನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟಲು ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲ.
2	ಭೂಮಿ, ಮಣ್ಣು	ಉತ್ತಮ ಒಳಪಡಿಸಿದ ಹೊಂದಿದ ಮರಳು ಲೇಟೈಟ್ ಮತ್ತು ಮೆಕ್ಕಲು ಮಣ್ಣುಗಳು ಮೇಲ್ಮಣ್ಣು Ph 5.5 ರಿಂದ 6.5 ಸೂಕ್ತವಾಗಿರುತ್ತವೆ.
3	ಸುತ್ತು, ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದಲ್ಲಿ, ಜೂನ್-ಅಕ್ಟೋಬರ್, ಫೆಬ್ರವರಿ-ಏಪ್ರಿಲ್ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಉತ್ತರ ಮತ್ತು ಪಶ್ಚಿಮ ಭಾರತದಲ್ಲಿ, ಜುಲೈ-ಅಗಸ್ಟ್, ಫೆಬ್ರವರಿ-ಮಾರ್ಚ್, ಪೂರ್ವ ಭಾರತದಲ್ಲಿ, ಜೂನ್-ಜುಲೈ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ.
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ, ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ	ಹೈಬ್ರಿಡ್ ತಳಿಯನ್ನು ಅಲಂಬಿಸಿ 200-300 ಗ್ರಾಂ/ಎಕರೆ, ಕಾಲುವೆ ವಿಧಾನ.
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	10 ಬಸ್ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ ಅನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ ನಂತರ ಮೇಲ್ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿ ಮಾಡಿ. ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳನ್ನು ರೂಪಿಸಿ ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳಲ್ಲಿ ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಮುಟ್ಟಿ ಬಿತ್ತನೆಯ ಎರಡು ದಿನ ಮೊದಲು ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀಸಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಪ್ರತಿ ಗುಂಡಿಗೆ ಎರಡು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉರಿ, ಶೀಘ್ರ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಗಾಗಿ ತಕ್ಷಣ ಹೂರಬಾಗಿ ನೀರು ಹಾಯಿಸಿ.
6	ಆಂತರ	ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ (ಕಾಲುವೆ): 180-200 ಸೆ.ಮೀ.; ಗಡದಿಂದ ಗಡಕ್ಕೆ: 45 ಸೆ.ಮೀ.
7	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಬೀಜವನ್ನು ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ 2 ಮಿ.ಲಿ/ಕೆಜಿ ಸೋದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಬಹುದು.
8	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಬಿತ್ತನೆಗೆ ಮೊದಲು ನೀಡಬೇಕಾದ ಆರಂಭಿಕ ಪ್ರಮಾಣ: 30:50:50 ಕೆ.ಜಿ. NPK ಬಿತ್ತನೆಯ 20-25 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮೊದಲ ಮೆಲಿಂಗೊಬ್ಬರ: 50 ಕೆ.ಜಿ. N
9	ನೀಸಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮೇಲ್ಮಣ್ಣು ಪ್ರಕಾರವನ್ನು ಅಲಂಬಿಸಿ ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀಸಾವರಿ ಮಾಡಿ. 3-4 ದಿನಗಳ ಮಧ್ಯಂತರದಲ್ಲಿ ಒಮ್ಮೆ ಹೂರಬಾದ ಮತ್ತು ಅಗಾಗ್ಗೆ ನೀಸಾವರಿ. ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಹೂಬಿಡುವ ಹಾಳಿನ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಬೀಜದ ವಲಯದಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶವನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.
10	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಆಂತರ ಬೇಸಾಯ	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಗದ್ದುಗಳನ್ನು ಕಳೆಗಳಿಂದ ಮುಕ್ತವಾಗಿ ಇರಿ. ಬಿತ್ತನೆಯಾದ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮಣ್ಣು ಹಾಕುವಿಕೆ.
11	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಫೋಸ್ಫೋರೈಟ್‌ಯನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಲು, ಹೂ ಬಿಡುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, ಕ್ಯಾಲಿಯಂ ನೈಟ್ರೇಟ್ (1% ದ್ರಾವಣ) ಸಿಂಪಡಿಸಿ.
12	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಪ್ರತಿ ಬಿಲಿಂಪು: ಟೆಟ್ರಾಹೈಡ್ರೋಪಿರಿಮಿಡ್ 50% + ಟ್ರೈಫ್ಲೋಮಿಥಿಲ್ ಸಿಸ್ಟೋಜಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 gm ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಕೊನ್ಫಿಡೆನ್ಸಿಯಲ್ 75% WP 1.0 ml/ಲೀಟರ್ ಪೊದೆ ಬಿಲಿಂಪು ರೋಗ: ಟೆಟ್ರಾಹೈಡ್ರೋಪಿರಿಮಿಡ್ 50% + ಟ್ರೈಫ್ಲೋಮಿಥಿಲ್ ಸಿಸ್ಟೋಜಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಲೀಫ್ ಮಿಡ್ ರೋಗ: ಸ್ಪ್ರಿಂಕೋನಾಡ್ 45% EC (0.4 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್), ಅಮಾಕ್ವಿನ್ 1.8% EC (0.5 ರಿಂದ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್), ಕೆಂಪು ಕುಂಬಳಕಾಯಿ ಜೀರಿಯೆ: ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥಿನ್ 5.56% w/w SC (0.5 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್) ಫ್ರಿಪ್/ಗಿಡಪೆಸುಗಳು: ಫ್ಲೋನಿಕ್ಸಿಮಿಡ್ 50% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್), ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ 17.8% S (1.5-2 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್) ಫ್ಲೋನಿಕ್ಸಿಯಂ ಬಾಹ್ಯವಿಕ ರೋಗ: 0.2% ಕಾರ್ಬೋಥಾಜಿಮ್ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ನೆಲಕ್ಕೆ ಸುರಿಯಿರಿ ಹೊಲದಲ್ಲಿ, ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
13	ಕೊಯ್ಲು	ಬಿತ್ತನೆಯಾದ 65-70 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಹಣ್ಣುಗಳು ಕೊಯ್ಲುಗೆ ಸಿದ್ಧವಾಗುತ್ತವೆ. ಸಂಪೂರ್ಣ ಸಿಂಪ್ (ಹಾಳಿನ ಕಾಂಡವನ್ನು ಸುಲಭವಾಗಿ ಬೇರ್ಪಡಿಸುವುದು) ಸಂಪೂರ್ಣ ಪಕ್ವತೆಯ ಸೂಚಕವಾಗಿದೆ. ಉತ್ತಮ ಸಾಣೆ ಮತ್ತು ಸಂರಕ್ಷಣೆಗಾಗಿ ಪಾಕ್-ಸಿಂಪ್ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ.
14	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಸೂಕ್ತ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ, ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿದ ಬೆಳೆಯಿಂದ 10-15 ಬಸ್/ಎಕರೆ ಹಣ್ಣುಗಳು.
17	ಶೇಖರಣೆ	2-5 ದಿನ ಮತ್ತು RH 90-95%, ಸೂಕ್ತ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ 2 ವಾರಗಳವರೆಗೆ ಸಂರಕ್ಷಿಸಬಹುದು.
18	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಫೂಲ್ ಸಿಂಪ್ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ. ಸಾಗಣೆಗೆ ಅಥವಾ ಸಂರಕ್ಷಣೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, ಜಜ್ಜಿ ಹೋಗುವುದನ್ನು ತಡೆಯಲು ಹೆಚ್ಚು ಎತ್ತರಕ್ಕೆ ರಾಬಿ ಹಾಕಬೇಡಿ.
19	ಮಾಡಬೇಕಾದುದು	ದೂರದ ಸಾಣೆ ಮತ್ತು ರಿಫಾರ್ಮ್‌ನಲ್ಲಿ ಸಂರಕ್ಷಣೆಗೆ ಪಾಕ್-ಸಿಂಪ್ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಕೊಯ್ಲು ಉತ್ತಮ, ಸಂರಕ್ಷಣೆಯ ಮೊದಲು ಪೂರ್ವ-ತಂಪಾಗಿ ಸುರಿಯುವುದನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿ, ಕೊಳೆ ಮತ್ತು ಮೃದ್ವು ಕೊಳೆತವನ್ನು ನಿವಾರಿಸುವುದು ನಿರೀಕ್ಷಿಸಿ ಮತ್ತು ಪ್ಯಾಕಿಂಗ್ ವಸ್ತುಗಳಿಗೆ ಗಾಳಿ ಸಂಚಾರವಾಗುವ ಬೆಟ್ಟಗಳನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿರುತ್ತವೆ.
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.	
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯ ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬೆಲೆಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	



కర్నూజల్ - పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజీ

శుభాకాంక్షలు! క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన కర్నూజ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన కర్నూజ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమునే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యాధునిక కృత్రిమజలను పాటిస్తుంది. క్రిస్టల్ కర్నూజ విత్తనాలు బయోటిక్ & ఎబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే నామ్మర్లముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి. అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాటించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

హైబ్రిడ్ కర్నూజ	బాండ్, ముకుంద, ఇండస్-7786	ఇదేం, లిజా	బాదుషా								
కాలము పరిమితి	DAS (85-90)	75-85 DAS (85-90)	70-80 DAS (80-90)								
ఖరీఫ్	అవును	అవును	అవును								
రబీ	రేజ్యులు	రేజ్యులు	రేజ్యులు								
వసంత కాలము	అవును	అవును	అవును								
నీటి పారుదల	బావి/కాలువ	బావి/కాలువ	బావి/కాలువ								

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్కము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇస్తుంది
1	వ్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ వాతావరణ జోన్	కర్నూజకి వెచ్చని పగళ్ళు మరియు చల్లని రాత్రులు కలిగిన పొడిగా వుండే వేడి వాతావరణము కావాలి. కర్నూజ మంచుని మరియు తక్కువ ఉష్ణోగ్రతలను తట్టుకోలేదు
2	భూమి. మట్టి	బాగా నీరు ఇంకే ఇసుక లోమ మరియు ఒండ్రు మట్టి నేలలు. మట్టి Ph 5.5 నుంచి 6.5 మధ్య అనుకూలము.
3	కాలము. విత్త/నాటే సమయము	దక్షిణ భారతదేశములో జూన్-అక్టోబర్, ఫిబ్రవరి-ఏప్రిల్. ఉత్తర మరియు పడమర భారతదేశములో జూలై-అగష్టు, ఫిబ్రవరి-మార్చి, తూర్పు భారతదేశములో జూన్-జూలైలో.
4	విత్తనము రేట్, విత్త/నాటే పద్ధతి.	హైబ్రిడ్ మీద ఆధారపడి 200-300 గ్రాములు/ఎకరానికి, కాలువ పద్ధతి.
5	ప్రధానమైన పొలముని తయారు చేయడము మరియు నాటడము	డికంపోజ్ చేసిన ఎమ్మెఎం 10 టన్నులు అష్ట చేయండి తరవాత దుక్కి దున్నడము వలన అది మట్టిలో బాగా కలుస్తుంది. *నాటే కాలవల్లను ఏర్పాటు చేయండి *నాటే కాలవల్లో ఫర్టిలైజర్ బేసల్ డోస్ అష్ట చేయండి మరియు ఫర్టిలైజరుని కవర్ చేయండి *విత్తడానికి రెండు రోజుల ముందు పొలముకి నీటిని పెట్టండి. *గుంటకి రెండు విత్తనాలు పెట్టండి, తర్వాత మరియు మెరుగుగా మొలకెత్తడము కోసం వెంటనే తేలికగా నీటిని పెట్టండి
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	రో నుంచి రో (కాలువ) 180-200cm; మొక్క నుంచి మొక్క: 45cm
7	విత్త ముందు విత్తనముని శుద్ధి చేయడము	విత్తనాలను ఇమిడాక్లోప్రిడ్ 2 ml/కిలో తో శుద్ధి చేయండి
8	ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	*విత్త ముందు బేసల్ డోస్: 30:50:50 కిలోల NPK *విత్తన తరవాత 20-25 రోజులకి మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్: 50 కిలోల N *మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్ తరవాత 20-25 రోజుల తరవాత రెండవ టాప్ డ్రెస్సింగ్: 20 కిలోల N
9	నీటి పారుదల పెడ్యూల్	మట్టి రకముని బట్టి పొలముకి నీటిని పెట్టండి. 3-4 రోజుల వ్యవధిలో తేలికగా మరియు తరచూ నీరు పెట్టండి. పళ్ళకి పూలు వచ్చే దశలో మొక్కల వేళ్ళ దగ్గర సరిపడిన తేమ వుండేలా ధృవీకరించుకోండి
10	కలుపు మొక్కలు తీయడము/అంతర్గత కల్చివేషన్	చెత్త కలుపు మొక్కలను రెండు దఫాలుగా తొలగించాలి. ప్లాట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా చూసుకోండి. నాటిన తరవాత 30 రోజులకి మొక్కల మొదళ్ళలోని మట్టిని ఎత్తు చేయండి.
11	సూక్ష్మజీవకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ స్ప్రేలు	పూత సమయములో పళ్ళు ఎర్గుడడము పెంచడానికి కాలేయం నైట్రేట్ (1% ద్రావకము) పిచికారి చేయండి.
12	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	బూడిద తెగులు: టెబుకునజోల్ 50% + ట్రిప్లెక్స్/స్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) లేదా క్లోరోథానిల్ 75% WP (లీటరు/1.0 ml) డోసి బూజా తెగులు: టెబుకునజోల్ 50% + ట్రిప్లెక్స్/స్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) పాము పొడ (లీప్ మైనర్): స్పినిసాన్ 45% EC (0.4 ml/లీటరు), అబామెక్స్ 1.8% EC (0.5 నుంచి 1 ml/లీటరు), ఎర్ర గుమ్మడి పురుగు: డెల్టామెథ్రిన్ 5.56% w/w SC (0.5 ml/లీటరు) తామర పురుగులు/పెను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50% WG (లీటరు/0.5 గ్రాములు), ఇమిడాక్లోప్రిడ్ 17.8% S (1.5-2ml/లీటరు) ఫ్లూజారియమ్ ఎండు తెగులు: 0.2% కార్బోథాజిమ్ తో డ్రెంచ్ చేయండి పొలములో తెగులు & చీడల కంట్రోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక వ్యవసాయ ఆఫీసరను సంప్రదించండి.
13	కోత	పళ్ళు 65-70 డివిఎస్ (DAS) కి కోత వసాను. పూరి స్పష్ట (పండు తోడిమ తేలికగా వూడిరావడము) అనెన్ పూరిగా పక్కముకి వచ్చిందనడానికి సూచన. సఖము-స్పష్ట దశలో కోత కోయండి ఇది మెరుగైన రవాణా మరియు స్టోరేజ్ కి అనుకూలము.
14	ఆశించే దిగుబడి	సరైన పరిస్థితులలో బాగా మేనేజ్ చేసిన పంటకి 10-15 టన్నులు/ఎకరానికి లభిస్తాయి.
17	స్టోర్ చేయడము	2-5 డిగ్రీల C మరియు RH 90-95%, సరైన పరిస్థితిలో 2 వారాల వరకూ స్టోర్ చేయవచ్చు
18	చేయకూడనివి	పూరి స్పష్ట దశలో కోత కోస్తే, రవాణాలో లేదా స్టోరేజ్ లో నల్లిగోకుండా వుండడానికి బాగా ఎత్తుకి ప్లాక్ పెట్టకండి
19	చేయవలసినవి	సఖము-స్పష్ట దశలో కోత కోస్తే, దూరాలు రవాణాకి మరియు ఎక్కువ కాలము స్టోరేజ్ కి మెరుగుగా వుంటుంది, స్టోరేజ్ ముందు ప్రీ-కూలింగ్ ఖచ్చితముగా చేయాలి, క్రమము తప్పకుండా కుళ్ళులను మరియు మెత్తబడి కుళ్ళులను మానిటర్ చేయండి మరియు బాగా గాలి పారే ప్రాక్టింగ్ మెటీరియల్ ఉపయోగించండి

గమనిక పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.

జాగ్రత్తలు పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.



முலாம் பழம் - பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துக்கள் கிரீஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த முலாம் பழ விதைகளில் ஒன்றை தேர்வு செய்துள்ளீர்கள். உயர் தர முலாம் பழ விதைகள் தயாரிப்பில் கிரீஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மக்தல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரீஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரீஸ்டலின் முலாம் பழ விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா தூழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை. மிகச் சிறந்த மக்தலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கலப்பு கிரீனி பழம்	பாண்ட், Hyb. (முத்திரா, இறந்தல்-77%)	Hyb. டூடன், விசா	பாட்லா, Hyb. பாட்லா												
காலம்	75-85 DAS ஆம் (85-90	75-85 DAS ஆம் (85-90	70-80 DAS ஆம் (80-90												
கார்ப் ராபி வசந்த காலம்	நாட்கள் ஆம்	நாட்கள் ஆம்	நாட்கள் ஆம்												
பாசன ஆதாரம்	பேர்ப்புவல்/கால்வாய்	பேர்ப்புவல்/கால்வாய்	பேர்ப்புவல்/கால்வாய்												

வானிலை தூழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள் ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருத்துகின்ற பரப்பளவு, விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	முலாம் பழத்திற்கு வறண்ட வெப்பநிலை உள்ள வெப்பமான நாட்கள் மற்றும் குளிர்ந்த இரவுகள் தேவைப்படுகின்றன. கிரீனி பழம் உறைவிட மற்றும் குறைந்த வெப்பநிலையைத் தாங்காது.
2	நிலம், மண்	நீர் தேங்காத மணற்பாங்கான பசளை மற்றும் வண்டல் மண். மண்ணின் pH 5.5 முதல் 6.5 இருத்தல் நல்லது.
3	பருவம், விதைத்தல்நாற்று நடுவதற்கான நேரம்	தென் இந்தியாவில் ஜூன்-அக்டோபர், பிப்ரவரி-ஏப்ரல். வடக்கு மற்றும் மேற்கு இந்தியாவில் ஜூலை-ஆகஸ்ட், பிப்ரவரி-மார்ச். கிழக்கு இந்தியாவில் ஜூன்-ஜூலை.
4	விதை விகிதம், விதைத்தல்நாற்று நடும் முறை.	கலப்பு வகையைப் பொறுத்து ஏக்கருக்கு 200-300 கிராம், கால்வாய் முறை
5	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FYM) உரத்தை போட்டு அவை மண்ணில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள். விதைப்பு கால்வாய்களை உருவாக்குங்கள். விதைப்பு கால்வாய்களில் உரங்களின் அடி அளவை போட்டு உரத்தை முடி விடுங்கள். விதைப்பிற்கு இரண்டு நாட்கள் முன் நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். ஒரு மேட்டுக்கு இரண்டு விதையை ஊன்ற வேண்டும். விரைவான மற்றும் சிறந்த முளைத்தலுக்கு உடனடியாக வேசை நீர் பாய்ச்ச வேண்டும்.
6	இடைவெளி	வரிசை முதல் வரிசை வரை (கால்வாய்) 180-200 செ.மீ; தாவரம் முதல் தாவரம் வரை 45 செ.மீ
7	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	விதையை கிவோவிற்கு 2 மிஸி இமிடாக்ஸோபிரிட் உடன் கலத்திடுங்கள்.
8	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	விதைப்பதற்கு முந்தைய அடி உரம் : 30:50:50 என்பிகே (NPK) முதல் மேல் உரமிடுதல் விதைத்த பின் 20:25 நாட்கள் கழித்து: 50 கிவோ N இரண்டாவது மேல் உரமிடுதல் முதல் உரமிட்ட பின் 20:25 நாட்கள் கழித்து : 20 கிவோ N
9	பாசன அட்டவணை	மண் வகையைப் பொறுத்து நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். 3-4 நாட்கள் இடைவெளியில் வேசை மற்றும் அடிக்கடி பாசனம் செய்திடுங்கள். பூ பழம் வைக்கும் நிலையில், வேர் பகுதியில் பொதுமான ஈரப்பதம் இருப்பதை உறுதி செய்யுங்கள்.
10	களை அகற்றுதல், ஊடு பயிரிடுதல்	இரண்டு கைகளால் களைகள் பறிக்கப்பட வேண்டும். நிலத்தைக் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். விதைத்த 30 நாட்களில் மண்ணைக் குவித்திடுங்கள்.
11	நுண் ஊட்டச்சத்துவளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	பழம் வைப்பதை அதிகரிக்க பூக்கும் சமயத்தில் கால்சியம் ஐட்ரேட் (1% கரைசல்) தெளியுங்கள்.
12	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டிபின்புஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) அல்லது குளோரோதனோலின் 75% டிபின்புஜி (WP) லிட்டருக்கு 1.0 மிஸி சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% WG (0.5-1 கிராம்/லிட்டர்) இலை துளைப்பான்: ஸ்பினோசாட், இசி (EC) 45% (லிட்டருக்கு 0.4 மிஸி) அபாமெக்ஸின் 1.8% இசி (EC) லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 மிஸி, சிவப்பு பூச்சி வண்டு: டெல்டாமெத்ரின் 5.56% w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிஸி) இலைப்பேன் / செடிப்பேன் : ப்ளோனிகாமிட் 50% WG (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்), இமிடாக்ஸோபிரிட் 17.8% S (லிட்டருக்கு 1.5-2 மிஸி) பியூசேரியம் வாடல் : 0.2% கார்பன்டாசிம்-ல் முக்குங்கள்
13	அறுவடை	நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள்.
14	எதிர்பார்க்கப்படும் மக்தல்	65-70 DAS-ல் பழங்கள் அறுவடைக்குத் தயாராகிவிடும். புல் ஸ்லிப் (பழ தண்டில் இருந்து எளிதாக விடுபடுதல்) என்பது முழுமையான முதிர்ச்சிக்கான அறிஞர் சிறப்பான போக்குவரத்து மற்றும் சேமிப்பிற்காக, ஆப் ஸ்லிப் நிலையில் அறுவடை செய்யுங்கள்.
17	சேமிப்பகம்	சாதகமான நிலைகளில் ஒரு நன்கு பராமரிக்கப்பட்ட பயிரில் இருந்து ஏக்கருக்கு 10-15 டன் பழங்களைப் பெறலாம். 2-5 டிகிரி C மற்றும் RH 90-95% உடன், சாதகமான நிலையில் 2 வாரங்கள் வரை சேமித்து வைக்கலாம்.
18	செய்யக்கூடாதவை	புல் ஸ்லிப் அறுவடையில், போக்குவரத்து அல்லது சேமிப்பின் போது நகங்குவதை தடுக்க அதிக உயரத்தில் தொங்க விடுவதைத் தவிருங்கள்.
19	செய்ய வேண்டியவை	நீண்ட தூரம் போக்குவரத்து மற்றும் நீண்ட கால சேமிப்பிற்கு ஆப் ஸ்லிப் நிலையில் அறுவடை செய்யுதல் நல்லது. சேமிப்பிற்கு முன் முன்கூட்டிய குளிர்விப்பை உறுதி செய்யுங்கள். அழுகல்கள் மற்றும் மென்மையான அழுகல்களை அடிக்கடி கண்காணியுங்கள் மற்றும் பேக்கிங் பொருளுக்கு காற்றோட்டமான பெட்டிகளைப் பயன்படுத்துங்கள்.

குறிப்பு மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல் குறிப்பிட்ட பகுதிகளை தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.

முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள் பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மக்தல் பாதிக்கப்படலாம் எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரீதியைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.

ਖਰਬੂਜੇ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਾਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖਰਬੂਜੇ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਖਰਬੂਜੇ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਾਧ ਹਰ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਸ਼ਕ ਉੱਚ-ਉੱਚ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨੀਕਾਂ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਬਿਜਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਖਰਬੂਜੇ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੱਥਾ, ਬੁਣਿਆਂ ਦਾ ਮਧਬੂਤ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਰੋਗ ਅਤੇ ਵਾਧਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਬੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਕੁੱਝ ਕਸਤੂਰੀ ਖ	ਬਾਨ੍ਹਣਾ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ . ਮੁੱਢਲਾ ਇੰਡਸ-7766	ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ . ਆਇਡੀਓਨ ਇੰਡਸ	ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ . ਬਾਦਰਾਹ									
ਮਿਆਦ	75-85 DAS	75-85 DAS	70-80 DAS									
ਮਕੈਂਡ	ਰਾ (85-90 ਦਿਨ)	ਰਾ (85-90 ਦਿਨ)	ਰਾ (80-90 ਦਿਨ)									
ਰਕਬੀ	ਰਾ	ਰਾ	ਰਾ									
ਸਮਿੱਠ	ਰਾ	ਰਾ	ਰਾ									
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਬੋਰਵੈੱਲ/ਕਨਾਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ/ਕਨਾਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ/ਕਨਾਲ									

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੰਕੀਰਣ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੌਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤਰ/ਖੇਤੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	ਖਰਬੂਜਿਆਂ ਨੂੰ ਸੁੱਕੇ, ਗਰਮ ਮੌਸਮ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਜਿਸਦੇ ਦਿਨ ਗਰਮ ਅਤੇ ਰਾਤਾਂ ਠੰਡੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ। ਖਰਬੂਜੇ ਠੰਡ ਅਤੇ ਘੱਟ ਤਾਪਮਾਨ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦੇ।
2	ਜ਼ਮੀਨ ਮਿੱਟੀ	ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਰੇਤਲੀ ਚੋਟ ਅਤੇ ਜਲੋਤ ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ Ph 5.5 ਤੋਂ 6.5 ਹੈ।
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਦੱਖਣੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਜੂਨ-ਅਕਤੂਬਰ, ਫਰਵਰੀ-ਅਪ੍ਰੈਲ। ਉੱਤਰ ਵਿੱਚ ਜੁਲਾਈ-ਅਗਸਤ, ਫਰਵਰੀ-ਮਾਰਚ ਅਤੇ ਪੱਛਮੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਪੂਰਬੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਜੂਨ-ਜੁਲਾਈ।
4	ਬੀਜ ਦੀ ਚਰ। ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ।	ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ, ਨਹਿਰੀ ਵਿਧੀ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ 200-300 ਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ।
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	10 ਟਨ ਸਤੀ ਹੋਈ ਚੂੜੀ ਪਾਓ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਹਲ ਵਾਹੋ ਤਾਂ ਜੋ ਇਹ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਹਲ ਜਾਵੇ। * ਬੀਜ ਬੀਜਣ ਲਈ ਚੋਨਲ ਬਣਾਓ * ਬਿਜਾਈ ਵਾਲੇ ਚੋਨਲਾਂ ਵਿੱਚ ਖਾਦ ਨੂੰ ਮੁੱਢਲੀ ਖੁਰਾਕ ਵਜੋਂ ਪਾਓ ਅਤੇ ਮਿੱਟੀ ਨਾਲ ਚੱਕ ਦਿਓ। * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਦੋ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। * ਪ੍ਰਤੀ ਟੋਨਾ ਦੋ ਬੀਜ ਬੀਜੋ, ਜਲਦੀ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਪੁੰਗਰਣ ਲਈ ਤੁਰੰਤ ਹਲਕੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।
6	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	ਕਤਾਰ ਤੋਂ ਕਤਾਰ (ਕਨਾਲ) 180-200 ਸੈ.ਮੀ.; ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟੇ ਤੱਕ: 45 ਸੈ.ਮੀ.
7	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਇਮੀਡਾਕਲੋਪ੍ਰਿਡ 2 ਮਿ.ਲੀ./ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।
8	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸੁੱਕੇ ਖਰਬੂਜੇ: 30:30:30 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ। * ਪਹਿਲੀ ਚੋਟੀ ਦੀ ਡਰੇਸਿੰਗ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 20-25 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ: 50 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ N * ਪਹਿਲੀ ਚੋਟੀ ਤੋਂ 20-25 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਦੂਜੀ ਚੋਟੀ ਦੀ ਡਰੇਸਿੰਗ: 20 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ N
9	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। 3-4 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਇੱਕ ਵਾਰ ਹਲਕੀ ਅਤੇ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਜੜ੍ਹ ਖੇਤਰ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਕਾਫ਼ੀ ਨਮੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।
10	ਖੇਤ ਦੀ ਨਈਨ-ਨਾਸਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ ਕੇ ਵਾਹੀ	ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਘਾਹ ਕੱਢਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਨਈਨਾਂ ਨੂੰ ਨਾ ਵਧਣ ਦਿਓ। ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ, ਮਿੱਟੀ ਭਰ ਕੇ ਬੂਟਿਆਂ ਨੂੰ ਉੱਚਾ ਚੌਕੋ।
11	ਪੈਸਟਿਕ ਤੌਤ/ਵਿਕਾਸ ਰੋਗਨਿਵਾਰਕਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	ਫਲਾਂ ਦੇ ਸੈੱਟ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਲਈ, ਫੁੱਲ ਆਉਣ ਦੇ ਸਮੇਂ ਕੈਲਸ਼ੀਅਮ ਨਾਈਟ੍ਰੇਟ (1% ਘੋਲ) ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ।
12	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਪਾਉਡਰੀ ਫੁੱਫੂ ਦੀ ਰੋਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਮੈਟੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਕਲੋਰੋਥੈਲੋਨਿਨ 75% WP 1.0 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਡਾਉਨੀ ਫੁੱਫੂ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਮੈਟੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਲੀਟ ਮਾਈਨਰ: ਸਪਿਨੋਸੈਡ 45% EC (0.4 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ), ਅਬਾਮੋਕਟਿਨ 1.8% EC (0.5 ਤੋਂ 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ), ਰੈੱਡ ਪੰਪਕਿਨ ਬੀਟਲ: ਡੈਲਟਾਮੇਥਿਨ 5.56% w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਬ੍ਰਿਪਸ/ ਐਫੀਡ: ਫਲੋਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ), ਇਮੀਡਾਕਲੋਪ੍ਰਿਡ 17.8% S (1.5-2 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਡੁਸਾਰੀਅਮ ਵਿਲਟ: 0.2% ਕਾਰਬੋਠਾਜਿਮ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।
13	ਵਾਢੀ	ਫਲ 65-70 ਦਿਨ ਵਿੱਚ ਵਾਢੀ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਫੁੱਲ ਸਲਿੱਪ (ਫਲਾਂ ਦੇ ਡੰਡੇ ਦਾ ਆਸਾਨੀ ਨਾਲ ਵੱਖ ਹੋਣਾ) ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੱਕਣ ਦਾ ਸੰਕੇਤ ਹੈ। ਅੰਪ-ਸਲਿੱਪ ਸਥਿਤੀ ਵਿੱਚ ਕਟਾਈ ਆਵਾਜਾਈ ਅਤੇ ਸਟੋਰੇਜ ਲਈ ਵਾਜਬ ਹੈ।
14	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਸਹੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਅਤੇ ਆਦਰਸ਼ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ, ਇਹ ਫਸਲ 10-15 ਟਨ/ਏਕੜ ਫਲ ਦੇ ਸਕਦੀ ਹੈ।
17	ਸਟੋਰੇਜ	2-5°C ਅਤੇ 90-95% RH 'ਤੇ, ਫਸਲ ਨੂੰ ਸਹੀ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ 2 ਹਫ਼ਤਿਆਂ ਤੱਕ ਸਟੋਰ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	ਫੁੱਲ ਸਲਿੱਪ ਸਟੇਜ ਵਾਢੀ, ਆਵਾਜਾਈ ਜਾਂ ਸਟੋਰੇਜ ਦੌਰਾਨ ਕੁਚਲਣ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਟੈਕਿੰਗ ਤੋਂ ਬਚੋ।
19	ਕੀ ਕਰੋ	ਅੰਪ-ਸਲਿੱਪ ਪੜਾਅ ਵਾਲੀ ਵਾਢੀ ਲੰਬੀ ਦੂਰੀ ਦੀ ਆਵਾਜਾਈ ਅਤੇ ਲੰਬੇ ਸਮੇਂ ਲਈ ਸਟੋਰੇਜ ਲਈ ਬਿਹਤਰ ਹੈ, ਸਟੋਰੇਜ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪ੍ਰੈ-ਕੁਲਿੰਗ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ, ਸਤਨ ਅਤੇ ਨਰਮ ਸਤਨ ਦੀ ਨਿਯਮਤ ਜਾਂਚ ਕਰੋ ਅਤੇ ਪੈਕਿੰਗ ਸਮੱਗਰੀ ਲਈ ਹਵਾਦਾਰ ਕਰੋਟਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ।

ਨੋਟ ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।

খরবুজা- চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট খরবুজার বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের খরবুজা বীজগুলি উ-পাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উ-পাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগত গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের খরবুজা বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে। ক্রিস্টালের অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড খরবুজা	বাস্ত, হাইব্রিড, মুকুং, ইংডস-7786	হাইব্রিড, আইডেন, লিজা	বাদশাহ, হাইব্রিড, বাদশাহ								
সময়সীমা	75-85 DAS	75-85 DAS	70-80 DAS								
খরিফ	হ্যাঁ (85-90 দিন)	হ্যাঁ (85-90 দিন)	হ্যাঁ (80-90 দিন)								
রবি	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ								
বসন্ত	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ								
সেচের উ-স	বোরওয়েল/নালা	বোরওয়েল/নালা	বোরওয়েল/নালা								

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ
1	এলাকার উপযোগিতা/ কৃষি-জলবায়ু জোন	খরবুজার জন্য উষ্ণ দিন এবং ঠান্ডা রাত সহ শুষ্ক গরম আবহাওয়া প্রয়োজন। খরবুজা তুষারপাত এবং কম আবহাওয়া সহ্য করতে পারে না
2	জমি। মাটি	ভালো নিকাশীযুক্ত বালুকাময় মাটি এবং তীরবর্তী মাটি। মাটির 5.5 থেকে 6.5 Ph আদর্শ।
3	ঋতু। বপন/রোপণের সময়	দক্ষিণ ভারতে জুন-অক্টোবর, ফেব্রুয়ারি-এপ্রিল। উত্তর এবং পশ্চিম ভারতে জুলাই-আগস্ট, ফেব্রুয়ারি-মার্চ, পূর্ব ভারতে জুন-জুলাই।
4	বীজের হার। বপন/রোপণের পদ্ধতি।	হাইব্রিডের উপর নির্ভরশীল 200-300গ্রাম/একর, নালা পদ্ধতি।
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মাটিতে মেশানোর জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগের পর হ্যারোয়িং করুন। * বীজ বপনের জন্য নালা তৈরি করা * বীজ বপনের নালায় বেসাল ডোজ প্রয়োগ করুন এবং সার ঢেকে দিন * বীজ বপনের দুই দিন আগে মাঠে জল দিন। * প্রতি গর্তে দুইটি বীজ লাগান, তৎক্ষণাৎ দ্রুত এবং ভালো অঙ্কুরোদগমের জন্য হালকা সেচ করুন
6	ফাঁক	সারি থেকে সারি (নালা) 180-200সেন্টিমিটার; উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 45সেন্টিমিটার
7	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজকে ইমিডাক্সপ্রিড 2 মিলিলিটার/কেজিতে প্রক্রিয়াজাত করা যেতে পারে
8	জৈব এবং রাসায়নিক সার	* বপনের আগে বেসাল ডোজ: 30:50:50 কেজি NPK * বপনের 20-25 দিন পর প্রথম শীর্ষ ড্রেসিং: 50কেজি N * প্রথম শীর্ষের 20-25 দিন পর দ্বিতীয় শীর্ষ ড্রেসিং: 20 কেজি N
9	সেচের সময়সূচী	মাটির ধরন অনুযায়ী ক্ষেতে সেচ করুন। প্রতি 3-4 দিনের ব্যবধানে হালকা এবং নিয়মিত সেচ প্রয়োজন। মূল জোনে পর্যাপ্ত আর্দ্রতা নিশ্চিত করুন বিশেষ করে ফুল ফোটা এবং ফল ধরার সময়
10	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	দুই হাত দিয়ে আগাছা নিবারণ করা প্রয়োজন। প্রটগুলো আগাছামুক্ত রাখুন। বপনের 30 দিনের পর মাটি তুলুন।
11	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	ফল ধরানোর হার বৃদ্ধি করতে ফুলের সময় ক্যালসিয়াম নাইট্রেট (1% সলিউশন) ছিটানো উচিত।
12	ফীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	পাউডার মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লুরিনস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) অথবা ক্লোরোথালোনিল 75% WP 1.0 মিলিলিটার/লিটার ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লুরিনস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) পাতা মাইনর: স্পিনোস্যাড 45% EC (0.4 মিলিলিটার/লিটার), অ্যাবামেকটিন 1.8% EC (0.5 থেকে 1 মিলিলিটার/লিটার), লাল কুমড়োর পোকা: ডেন্টামেথিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) স্লিপ/এফিডস: ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার), ইমিডাক্সপ্রিড 17.8% S (1.5-2মিলিলিটার/লিটার) ফুসারিয়াম উইল্ট: 0.2% কার্বেনডাজিম ড্রেঞ্চ করুন ক্ষেতের রোগ এবং ফীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য, অনুগ্রহ করে আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারদের সঙ্গে পরামর্শ করুন।
13	ফসল কাটা	65-70 DAS তে ফসল কাটার জন্য ফল প্রস্তুত। ফল স্লিপ (ফল দণ্ড সহজে আলাদা হওয়া) সম্পূর্ণ পাকা হওয়ার সূচক। ভালো পরিবহন এবং সংরক্ষণের জন্য অর্ধ-স্লিপ পর্যায়ে ফসল কাটা উচিত।
14	প্রত্যাশিত ফলন	সঠিকভাবে পরিচালিত ফসল থেকে আদর্শ পরিস্থিতিতে 10-15 টন/একর ফল পাওয়া যায়।
17	সংরক্ষণ	2-5 ডিগ্রী C এবং RH 90-95%, আদর্শ পরিস্থিতিতে ফসল 2 সপ্তাহ পর্যন্ত সংরক্ষণ করা যেতে পারে
18	করবেন না	ফুল-স্লিপ পর্যায়ে ফসল কাটুন, পরিবহন অথবা সংরক্ষণকালে ফসল চাপের কারণে ভেঙে না যায় তা নিশ্চিত করতে খুব বেশি স্তূপ তৈরি করা
19	করবেন	অর্ধ-স্লিপ পর্যায়ে ফসল সংগ্রহ দীর্ঘ দূরত্বে পরিবহন এবং দীর্ঘ সংরক্ষণের জন্য উপযুক্ত। সংরক্ষণের আগে প্রি-কুলিং নিশ্চিত করুন, পচন এবং সফট রট নিয়মিত পর্যবেক্ষণ করুন এবং প্যাকিংয়ের জন্য বাতাস চলাচলের সুবিধাযুক্ত ক্রেট ব্যবহার করুন
দ্রষ্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।	
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং ফীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার বিশদ রাখুন।	



ଖରଜୁଳ-କାନ୍ଦୁଳ ବୃକ୍ଷ ପ୍ରଣାଳୀ

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ ବୃକ୍ଷାଳୟ ପରିବାରର ସର୍ବୋତ୍ତମ ଖରଜୁଳ ମଝି ମଧୁର ଗୋଟିଏ ବାଞ୍ଛିକଣ୍ଠା। ଉତ୍ତମାଦର ଖରଜୁଳ ମଝି ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ ବୃକ୍ଷାଳୟର ଦୃଢ଼ ଅଭିଶପ୍ତ ରହିଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ ବୃକ୍ଷ ଲକ୍ଷ୍ୟରୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇଡ୍ରୋ-ଫସଫର ବଳିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋତ୍ତମ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ ବୃକ୍ଷାଳୟ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ଦୃଢ଼ନିୟମ ପ୍ରଯୁଜିବେ। ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ବୃକ୍ଷାଳୟ ଖରଜୁଳ ମଝି ଶେଷ ଏବଂ ଅନେକ ଗପ ପ୍ରତି ସମ୍ପର୍କିତା ସହିତ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଅନୁଭବ୍ୟତା ଏବଂ ଉତ୍ତମ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ। ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଅମଳ ପାଇଁ ପାଇଁ ସର୍ବୋତ୍ତମ ବୃକ୍ଷ ପକ୍ଷର ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ଯେଉଁଠି ଶେଷର ନିଶ୍ଚିତ ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

Table with 4 columns: ଖରଜୁଳ ହାର, ବୃକ୍ଷ, Hyb. ପ୍ରକାର, ଉତ୍ପାଦନ, ବାବଦ, Hyb. ବାବଦ, ବାବଦ, Hyb. ବାବଦ

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃକ୍ଷ ଏବଂ ପରିପତ୍ତୀ ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

Main table with 2 columns: କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା, ବିବରଣୀ / ବାସ୍ତବ / ଅଭ୍ୟାସ, ବାସ୍ତବ ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏବଂ ଉପସ୍ଥାପନ

ଡିପ୍ଟିମ୍ପା: ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏବଂ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ବାସ୍ତବ ବୃକ୍ଷ ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।

ସତର୍କତା: ଫସଲର ବୃକ୍ଷ ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ବୃକ୍ଷ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଇଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ ବେଳେ ଉତ୍ତମାଦର ସାର ଏବଂ ବୀଜାଣୁ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ ବୀଜାଣୁର ଉତ୍ତମ ଉପଯୋଗ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କୁ ଉତ୍ତମାଦର ପଢ଼ନ୍ତୁ।

বাগী- অনুশীলনৰ পেকেট

অভিনন্দন! আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ এক উৎকৃষ্ট বাগী বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ বাগীৰ বীজ উৎপাদনত ক্ৰিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্মৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ বাগীৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অংকুৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে। অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্ৰিড বাগী	বাস্ত, হাইব্ৰিড. মুকুণ্ড, ইংডস-৭৭৮৬	হাইব্ৰিড. আইডেন, লিজা	হাইব্ৰিড. বাদশাহ
সময়কাল	75-85 DAS	75-85 DAS	70-80 DAS
খাৰিফ	হয়(85-90 দিন)	হয়(85-90 দিন)	হয়(80-90 দিন)
বাৰি	হয়	হয়	হয়
বসন্ত	হয়	হয়	হয়
জলসিঞ্চনৰ উৎস	ব'ৰৱেল/কেনেল	ব'ৰৱেল/কেনেল	ব'ৰৱেল/কেনেল

অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্বতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্রমিক নম্বৰ	স্বিশেষ/কাৰ্য্য/অনুশীলন	কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/ কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	বাগীৰ বাবে গৰম দিন আৰু ঠাণ্ডা ৰাতিৰ সৈতে শুকান গৰম জলবায়ুৰ প্ৰয়োজন। মছমেলনবোৰ ঠাণ্ডা আৰু নিম্ন তাপমাত্ৰাত সহ্য কৰিব নোৱাৰে
2	ভূমি মাটি	ভালদৰে খালী বালিৰ মাটি আৰু জলাশয়ৰ মাটি। মাটিৰ pH 5.5ৰ পৰা 6.5 আদৰ্শ।
3	খাত বীজ সিঁচাৰ/পলোৱাৰ সময়	জুন-অক্টোবৰ, ফেব্ৰুৱাৰী-এপ্ৰিল দক্ষিণ ভাৰতত। জুলাই-আগষ্ট, ফেব্ৰুৱাৰী-মাৰ্চ উত্তৰ আৰু পশ্চিম ভাৰতত, জুন-জুলাই পূব ভাৰতত।
4	বীজৰ হাৰ। বীজ সিঁচা/পলোৱা পদ্ধতি	হাইব্ৰিড, কেনেল পদ্ধতিৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি 200-300গ্ৰাম/ একৰ।
5	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি আৰু ৰোপণ	10 টন বিয়োজিত FYM প্ৰয়োগ কৰক তাৰ পিছত মাটিত মিশ্ৰিত কৰিবলৈ হৰ্ভিং কৰক। * বীজ সিঁচাৰ পথ তৈয়াৰ কৰক * বীজ সিঁচাৰ পথাৰত মৌলিক পৰিমাণৰ সাৰ প্ৰয়োগ কৰক আৰু সাৰক ঢাকি ৰাখক * বীজ সিঁচাৰ দুদিন আগতে পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। * প্ৰতিডাল বীজত দুটাকৈ ডাবল দিয়ক, দ্ৰুত আৰু ভাল বীজানুৰ বাবে তৎক্ষণাৎ হালধীয়া জলসিঞ্চন দিয়ক
6	ব্যৱধান	শাৰীৰে শাৰীলৈ (কেনেল) 180-200 ছেঃমিঃ; উন্ডিদৰ পৰা উন্ডিদলৈ: 45 ছেঃমিঃ
7	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজ ইমিডাক্ল প্ৰিড 2 মিলি/কেজিৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।
8	সাৰ আৰু সাৰকা পদাৰ্থ	* বীজ সিঁচাৰ আগতে প্ৰাথমিক পালি : 30: 50: 50 কেজি NPK * বীজ সিঁচাৰ 20-25 দিনৰ পিছত প্ৰথম শীৰ্ষ কাপোৰ: 50 কেজি N * প্ৰথম টোপৰ পিছত 20-25 দিনত দ্বিতীয়টো টোপ পেকেজিং: 20 কেজি N
9	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	মাটিৰ প্ৰকাৰৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। 3-4 দিনৰ ব্যৱধানত এবাৰ লঘু আৰু সঘনাই জলসিঞ্চন কৰা। বিশেষভাৱে ফুল ফলৰ সময়ত মূল অঞ্চলত পৰ্যাপ্ত আৰ্দ্ৰতা নিশ্চিত কৰক
10	অপতৃণ/ আস্তঃখেতি	দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। প্ৰটবোৰ অপতৃণৰ পৰা মুক্ত কৰি ৰাখক। বীজ সিঁচাৰ 30 দিন পিছত মাটিত তুলি লোৱা।
11	ফুদ পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্ৰক স্প্ৰে	ফুল ফুলাৰ সময়ত কেলচিয়াম নাইট্ৰেট (1% দ্ৰৱ) স্প্ৰে কৰি ফল বৃদ্ধি কৰিব লাগে।
12	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	102 পাউডাৰী মিল্ডিউঃ টেবুকোনাজেল 50% + ট্ৰাইফ্লিক্লিষ্ট্ৰ'বিন 25% WG (লিটাৰ প্ৰতি 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) বা ক্ল'ৰথালানিল 75% WP 1.0 মিলি/লিটাৰ ডাউনি মিল্ডু : টেবুকোনাজেল 50% + ট্ৰাইফ্লিক্লিষ্ট্ৰ'বিন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5 ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) পাতৰ খনি: স্পিনছেড 45% EC (0.4 মিলি/লিটাৰ), এবামেক্টিন 1.8% EC (0.5ৰ পৰা 1 মিলি/লিটাৰ), ৰঙা কুমলীয়া ভেকুলা: ডেলটামেথ্ৰিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) থ্ৰিপছ/এফিড: ফ্লুনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ), ইমিডাক্ল প্ৰিড 17.8% S (1.5-2মিলি/ লিটাৰ) ফুচেৰিয়াম উইল্ট : 0.2% কাৰ্বেণ্ডাজিম ড্ৰেক কৰক পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।
13	শস্য চপোৱা	শস্য চপোৱাৰ বাবে প্ৰস্তুত ফল 65-70 DAS। সম্পূৰ্ণ গ্লিপ (ফলৰ শিপা সহজে বিচিছম) হৈছে সম্পূৰ্ণ পৰিপক্বতাৰ ইংগিত। উন্নত পৰিবহণ আৰু সঞ্চয়ৰ বাবে অৰ্ধ-গ্লিপ পৰ্যায়ত শস্য সংগ্ৰহ।
14	প্ৰত্যাশিত উৎপাদন	আদৰ্শ পৰিস্থিতিত ভালদৰে পৰিচালিত শস্যৰ পৰা প্ৰতি একৰত 10-15 টন ফল পোৱা যায়।
17	সংৰক্ষণ	2-5 ডিগ্ৰী C আৰু RH 90-95% , সৰ্বোত্তম অৱস্থাত 2 সপ্তাহলৈকে সংৰক্ষণ কৰিব পাৰি
18	নকৰিবা	সম্পূৰ্ণ গ্লিপ পৰ্যায়ৰ শস্য, পৰিবহণ বা সংৰক্ষণৰ সময়ত পচি যোৱা প্ৰতিৰোধ কৰিবলৈ অতি উচ্চতাত স্তৰীকৰণ কৰা এৰাই চলিব
19	কৰিবা	দীৰ্ঘ দূৰত্বৰ পৰিবহণ আৰু দীৰ্ঘস্থায়ী সঞ্চয়ৰ বাবে অৰ্ধ-গ্লিপ পৰ্যায়ৰ শস্য উত্তম, সঞ্চয়ৰ পূৰ্বে প্ৰাক-শীতলীকৰণ নিশ্চিত কৰক, পচা আৰু কোমল পচা নিয়মিতভাৱে নিৰীক্ষণ কৰক আৰু পেকেজিং সামগ্ৰীৰ বাবে ভেনিটলেটেড ক্ৰেট ব্যৱহাৰ কৰক
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।	
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঠাণ্ডা ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।	